-हमें भारतीय प्राचीन गणितीय गौरव की समृद्धशाली विरासत पर गर्व होना चाहिए- प्रो. ए. एल. पाठक|

- गणितीय गणनाओं को शीघ्रता से हल करना प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए वरदान -डॉ अतुल भार्गव|

इटावा, 9 सितंबर| जनता कॉलेज बकेवर में भारतीय प्राचीन गणित एवं गणितज्ञ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कॉलेज के संगोष्ठी सभागार में अतिथि गणों के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ अतिथिगणों के स्वागत -सत्कार के साथ आरंभ हुआ|

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में प्रो. ए. एल. पाठक ,ब्रह्मानंद डिग्री कॉलेज कानपुर ने अपने उद्बोधन में बताया कि भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट द्वारा शून्य के बाद दशमलव की खोज में संलग्न महर्षि पिंगल से लेकर वर्तमान शून्य की संरचना में वराहमिहिर जैसे सर्वश्रेष्ठ भारतीय गणितज्ञों का अमूल्य योगदान है| प्राचीन ऋग्वेद यजुर्वेद सामवेद यजुर्वेद आदि वेद शास्त्रों से लेकर वर्तमान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक के खोज और अनुसंधान कार्यों में भारतीय गणितज्ञों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है| उन्होंने गणित को मानव मस्तिष्क की अभिनव अभिव्यक्ति बताते हुए कहा कि प्राचीन काल से समृद्ध गणितीय शोध परंपरा भारतीयता का विश्व समुदाय के समक्ष सहज प्रतिनिधित्व करती है ,हमें भारतीय प्राचीन गणितीय गौरव की समृद्धशाली विरासत पर गर्व होना चाहिए, पूर्वजों का सम्मान ही हमें पहचान दिलाता है |

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि अबेकस संस्था इटावा के निदेशक डॉ अतुल भार्गव ने बड़ी संख्या के गणितीय वर्ग को सरलता के साथ छात्र -छात्राओं के मध्य गणना करके बताया जिससे कि वर्तमान की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में गणितीय गणना तथा गणित के प्रश्नों का हल शीघ्रता से कर प्रतिभागी छात्र- छात्राएं स्वयं को अन्य विद्यार्थियों से आगे कर सकें|
विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ नलिनी शुक्ला तकनीकी सत्र में अपने उद्बोधन में आधुनिक गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अल्प जीवन अवधि में उन्होंने 3884 गणित की प्रमेय का निर्माण किया था , इन्हीं के जन्म दिवस 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाया जाता है|

कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अतिथियों एवं कालेज परिवार का स्वागत और अभिनंदन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय प्राचीन गणित विषय की प्रासंगिकता को समूचे विश्व ने अपनाया है, यह भारतीय गौरव का विषय है|
कार्यक्रम के समापन पर कार्यशाला संयोजिका डॉ इंदु बाला मिश्रा द्वारा सभी अतिथियों और कॉलेज परिवार का धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर अतिथियों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र भेंट किए गए|
कार्यक्रम में डॉ ज्योति भदौरिया , डॉ धर्मेंद्र कुमार , डॉ सत्यार्थ प्रकाश मौर्य ,डॉ नवीन अवस्थी ,श्री अजय शर्मा , कुलदीप अवस्थी , डॉ दिव्य ज्योति मिश्र , डॉ योगेश शुक्ला , अरविंद कुमार चौधरी,आकाश चौधरी, स्वतंत्र कुमार, मनोज दीक्षित सहित काजल, शैलजा , केशव तिवारी, मोहित सिंह शिव जीत , ओम नारायण आदि दो सैकड़ा से अधिक छात्र -छात्राओं की उपस्थिति संगोष्ठी सभागार में रही| कार्यक्रम का संचालन संयोजिका डॉ इंदु बाला मिश्रा एवं अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया|